श्री कलराज मिश्र

माननीय राज्यपाल, राजस्थान का उद्‌बोधन

राजस्थान के युवा और महिलाओं की कोविड–19 के दौरान समाज की

अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका

विषय पर आयोजित वेबिनार

दिनांक 30 मई, 2020 **समय दोपहर : 12.15 बजे**

स्थान : राजभवन, जयपुर

राजस्थान के युवा और महिलाओं की कोविड–19 के दौरान समाज की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका विषय पर आयोजित इस वेबिनार में उपस्थित सीआईआई राजस्थान राज्य परिषद के अध्यक्ष श्री विशाल बैद, सीआईआई राजस्थान राज्य परिषद के उपाध्यक्ष श्री संजय साबू, सीआईआई–भारतीय महिला नेटवर्क राजस्थान की अध्यक्ष सुश्री किरण पोद्दार, सीआईआई राजस्थान के निदेशक श्री नितिन गुप्ता, वाईआई जयपुर के अध्यक्ष श्री जलेशाचार्य, बहिनो और भाइयो।

भारतीय उद्योग परिसंघ और इसके प्रमुख युवा भारतीयों और सीआईआई–भारतीय महिला नेटवर्क को मैं धन्यवाद देता हूँ। राजस्थान के युवा और महिलाओं की कोविड–19 के दौरान समाज की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए किये जा रहे प्रयासों पर चर्चा करने के लिए यह वेबिनार आयोजित की हैं।

हम जिस वैश्विक स्वास्थ्य संकट का सामना कर रहे हैं, वह समाज के सभी हिस्सों को प्रभावित कर रहा है। जीवन और आजीविका को बदल रहा है।

जलवायु परिवर्तन से लेकर सशस्त्र संघर्ष या राजनीतिक अशांति तक, सभी प्रकार के संकटों में, युवा नेतृत्व वाले संगठन हर जरूरत का जवाब देने के लिए तत्पर रहते हैं। ऐसा ही अब कोविड–19 महामारी के दौरान भी हो रहा है। वर्तमान में वायरस से सबसे अधिक प्रभावित लोगों पर ध्यान केंद्रित किया जाना है।

कोविड–19 महामारी में लंबे समय तक चलने वाले सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक और बहुआयामी प्रभाव पूरे समाज पर होंगे, जिनमें युवा लोग और महिलाएं भी शामिल होंगी।

कई लोग प्रवासी श्रमिक के रूप में अपने स्थानों पर चले गए हैं। कई उद्योग नकदी संकट की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। उत्पादों की मांग में कमी व आपूर्ति इस श्रृंखला के मुद्दे है, लेकिन हमें उनका सामना करना होगा और इससे बाहर आना होगा।

यह हर नागरिक, युवा और महिला की जिम्मेदारी है कि वे संकट के इस समय में आगे आएं। जरूरतमंदों की हरसंभव मदद करें। मुझे यह जानकर खुशी है कि सीआईआई के कई सदस्यों ने भोजन उपलब्ध कराने के माध्यम से इस दिशा में काम किया है।

चेहरे का मास्क, पीपीई किट, पक्षी और पशु चारा और कई अन्य उपयोगी वस्तुओं की व्यवस्था की है।

युवा लोगों में कामकाजी महिलाएँ जोखिम संचार की पहल में सबसे आगे हैं। संकट, शारीरिक भेदभाव और उचित उपायों से जुडी गलतियाँ, भेदभाव और कलंक से निपटने के बारे में प्रचार करना होगा।

युवा स्थानीय स्वदेशी भाषाओं में वायरस के बारे में जानकारी दे रहे हैं। महिलाओं सहित युवा लोगों के नेटवर्क जैसे कि एचआईवी के साथ रहने वाले लोग, अपनी आवश्यकताओं का आकलंन करने, सेवाओं के व्यवधान और एंटीरेट्रोवाइरल का उपयोग करने के बारे में जानकारी के प्रसार को सुनिश्चित करने के लिए अपने साथियों तक पहुंच रहे हैं।

विभिन्न प्लेटफार्मों का उपयोग करके अनुकूलित और तथ्य–आधारित जानकारी दे रहे हैं। युवा लोग सामुदायिक भावना को बढ़ाने के लिए नए विचारों और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से इस अलगाव के समय समुदायों को एक साथ जोड़ रहे हैं।

सुरक्षात्मक उपकरणों की कमी के बावजूद, युवा स्वास्थ्य पेशेवर और छात्र महामारी की अग्रिम पंक्तियों पर अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। युवा महिला और पुरुष शोधकर्ता और विशेषज्ञ भी जीवन रक्षक उपायों के विकास में योगदान देकर इस बीमारी से निपटने में मदद कर रहे हैं।

युवा और महिलाएं समाज की समस्याओं के समाधान का हिस्सा हैं। वायरस के प्रसार को कम करने और महामारी के प्रभाव को कम करने के प्रयासों में सक्रिय रूप से योगदान कर रहे हैं। हमारे सतत विकास के मशाल के रूप में युवा, परिवर्तनकारी परिवर्तन को चलाने के लिए पर्यावरणीय कार्रवाई की वकालत कर रहे हैं।

भारत की कामकाजी आबादी, जो दुनिया में सबसे कम उम्र की है, न केवल अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में सक्षम होगी, बल्कि कोविड –19 के खिलाफ लड़ाई में हमारे योद्धा भी होंगे।

सेक्टोरल सहजता के बाद, अब भारत को यह योजना बनानी होगी कि खुदरा और अनौपचारिक श्रमिकों जैसे क्षेत्रों के लिए लॉकडाउन को कैसे कम किया जाए।

अर्थव्यवस्था को अपने पैरों पर वापस लाने का एक महत्वपूर्ण घटक उपभोक्ताओं को उनके घरों से बाहर निकलने की योजना बनाना है। फिर से, भारत की युवा आबादी इसकी सबसे बड़ी संपत्ति होगी।

आप सभी का धन्यवाद।

जयहिन्द।